कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (72) खण्ड - {143}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कब कुछ बुद्धि में बैठे -

A- अपने को आत्मा समझ और बाप को याद करें

B- ज्ञान सुनाते हैं तो

C- पारसबुद्धि बनो तो

D- मनन चिंतन करें तो

प्रश्न 2- अब यह नाटक पूरा होता है, तुम्हें वापिस घर जाना है, इसलिए -

A- अपना सब कुछ सफल कर लो

B- घर को याद करो

C- ट्रस्टी बनो

D- इस दुनिया से ममत्व मिटा दो

प्रश्न 3- रावण ने बिल्कुल ही उल्टा बना दिया है। अब बाप सुल्टा बनाते हैं। सुल्टा बनाते अर्थात् -

A- पावन बनाते

B- देवता बनाते

C- देही-अभिमानी बनाते

D- कांटे से फूल बनाते

प्रश्न 4- जो कुछ इन आँखों से देखते हो -

A- मित्र-सम्बन्धी आदि खत्म हो जाने हैं

B- विनाश होना है

C- ममत्व नहीं रखो

D- सब कुछ मिट्टी में मिल जाना है

प्रश्न 5- किसके बाद जरूर स्वर्ग आयेगा ?

A- कलियुग

B- संगमयुग

C- विनाश

D- महाभारत लड़ाई के बाद

प्रश्न 6- हम सो के बारे में सही पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- हम सो देवता क्षत्रिय.....

B- हम सो पहले-पहले सतोप्रधान थे फिर सतो रजो तमो में आते हैं।

C- हम आत्मा हैं फिर आत्मा वर्णों में आती है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- क्रोध को किस रुप में परिवर्तित करो ?

A- रुहानी खुमारी के रूप में

B- शुभ कामना के रूप में

C- अनासक्त वृति के रूप में

D- स्वाभिमान के रूप में

प्रश्न 8- अपनी बुद्धि बेहद में कैसे रखनी है ?

A- हद की इच्छाओं का त्याग कर

B- बेहद के वैरागी बन

C- बेहद बाप द्वारा बेहद की बातें सुनकर

D- आत्म अभिमानी बन

प्रश्न 9- देवताओं की पूजा करते हैं तो -

A- भक्ति मार्ग के ठहरे

B- देवता धर्म के ठहरे

C- आस्तिक ठहरे

D- नास्तिक ठहरे

प्रश्न 10- गीता में कौन से अक्षर हैं ?

A- मूसल

B- बाम्बस

C- मिसाइल्स

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- परमपिता परम आत्मा यानी-

A- सभी आत्माओं का पिता

B- सुप्रीम

C- उंचे ते ऊंच

D- बाप

प्रश्न 12- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- चन्द्रवंशी

B- दो कला कम

C- सतो

D- सतोप्रधान

प्रश्न 13- तुम बच्चे जानते हो बाप हमको अभी कितने जन्मों के लिए इनश्योर कर रहे हैं ?

A- 40-50

B- 84

C- 21

D- 8

प्रश्न 14- वो लोग इनश्योर करते हैं -

A- अगले जन्म के लिये

B- कि मर जाएं तो उनके परिवार को पैसा मिले।

C- 1 जन्म के लिए

D- पुरानी दुनिया के लिए

प्रश्न 15- बुद्धि में कौन सी खुशी रहनी चाहिए ?

A- अमरपुरी में राज्य करेंगे

B- 84 जन्म में भिन्न-भिन्न नाम, रूप, देश, काल फिरते आये हैं।

C- तुम कभी मरेंगे नहीं

D- नई दुनिया मे जाने की

प्रश्न 16- सर्विसएबुल बच्चों को बाप का डायरेक्शन है ?

A- आराम हराम है।

B- योग में रहकर सर्विस।

C- रूहानी सर्विस का शौक रखना है।

D- सदा निमित्त भाव

भाग (72) खण्ड {143} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.अपने को समझ और बाप को याद करें*

बाप को ही आकर अपना परिचय देना है। शास्त्र आदि कोई में भी बाप का परिचय नहीं है इसलिए उन्हों को नास्तिक कहा जाता है। अब बच्चों को बाप ने परिचय दिया है, परन्तु बाप कहते हैं मैं जो हूँ, जैसा हूँ मुझे बिल्कुल नहीं जानते। *अपने को आत्मा समझ और बाप को याद करें तब कुछ बुद्धि में बैठे।*

उत्तर 2 - *D.इस दुनिया से ममत्व मिटा दो*

“मीठे बच्चे - *अब यह नाटक पूरा होता है, तुम्हें वापिस घर जाना है, इसलिए इस दुनिया से ममत्व मिटा

दो,* घर को और नये राज्य को याद करो''

उत्तर 3 - *C.देही अभिमानी बनाते*

बाप कहते हैं यह भी ड्रामा में पार्ट है। आत्मा का ज्ञान ही कोई में नहीं है, बिल्कुल ही देह-अभिमानी बन पड़े हैं। देही-अभिमानी बनने में मेहनत है। *रावण ने बिल्कुल ही उल्टा बना दिया है। अब बाप सुल्टा बनाते हैं। सुल्टा बनाते अर्थात देही अभिमानी बनाते हैं*

उत्तर 4 - *A.मित्र सम्बन्धी आदि खत्म हो जाने हैं*

अब इस पुरानी दुनिया से नई दुनिया में रिटर्न है, यह पुरानी दुनिया तो खत्म हो जानी है। सब स्वाहा हो जायेगा आग में। *जो कुछ इन ऑखों से देखते हो, मित्र-सम्बन्धी आदि यह सब खत्म हो जाना है।*

उत्तर 5- *A.कलियुग*

कोई मरते हैं तो कहते हैं स्वर्ग पधारा। अभी तुम थोड़ेही कहेंगे क्योंकि तुम जानते हो स्वर्ग कब होगा। स्वर्ग सतयुग को कहा जाता है। अभी है नर्क कलियुग। तुम जानते हो यहाँ ही स्वर्गवासी थे, यहाँ ही फिर नर्कवासी बनते हैं। *कलियुग के बाद जरूर सतयुग होगा।*

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

अभी तुम्हारी बुद्धि में है कि हम सो पहले-पहले सतोप्रधान थे फिर सतो रजो तमो में आते हैं। हम सो का भी अर्थ है ना। ओम् का अर्थ अलग है, ओम् माना आत्मा। *फिर वही आत्मा कहती है हम सो देवता क्षत्रिय* ... वो लोग फिर कह देते हम आत्मा सो परमात्मा। तुम्हारा ओम और हम सो का अर्थ बिल्कुल अलग है। *हम आत्मा हैं फिर आत्मा वर्णो में आती है।*

उत्तर 7- *A.रूहानी खुमारी के रूप में*

विजयी, दुश्मन का रूप परिवर्तन जरूर करता है। तो आप विकारों रूपी दुश्मन को परिवर्तित कर सहयोगी स्वरूप बना दो जिससे वे सदा आपको सलाम करते रहेंगे। काम विकार को शुभ कामना के रूप में, *क्रोध को रूहानी खुमारी के रूप में,* लोभ को अनासक्त वृत्ति के रूप में, मोह को स्नेह के रूप में और देहाभिमान को स्वाभिमान के रूप में परिवर्तित कर दो तो मायाजीत जगतजीत बन जायेंगे।

उत्तर 8- *C.बेहद बाप द्वारा बेहद की बातें सुनकर*

स्वदर्शन चक्रधारी बनना और बनाना है। बाप और चक्र को याद करना है। *बेहद बाप द्वारा बेहद की बातें सुनकर अपनी बुद्धि बेहद में रखनी है।* हद में नहीं आना है।

उत्तर 9- *B.देवता धर्म के ठहरे*

आदि सनातन देवी देवता सम्प्रदाय वाले तो अपने को हिन्दू कह देते हैं। यह भी नहीं समझते कि हम असुल देवी देवता धर्म के हैं। वण्डर है ना। तुम पूछते हो हिन्दू धर्म किसने स्थापन किया? तो मूँझ जाते है। *देवताओं की पूजा करते हैं तो देवता धर्म के ठहरे ना।* परन्तु समझते नहीं।

उत्तर 10- *A.मूसल*

विनाश के लिए बाम्बस बनाते रहते हैं। *गीता में भी मूसल अक्षर है।* शास्त्रों में फिर लिख दिया है पेट से लोहा निकला, फिर यह हुआ। यह सब झूठी बातें हैं ना। बाप आकर समझाते हैं - उनको ही मिसाइल्स कहा जाता है। अब इस विनाश के पहले हमको तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है।

उत्तर 11- *B.सुप्रीम*

बड़ा हो या छोटा हो, प्रेजीडेन्ट, राजा रानी सब मनुष्य हैं। अब बाप कहते हैं सभी आत्मायें हैं, मैं फिर सभी आत्माओं का पिता हूँ इसलिए मुझे कहते हैं *परमपिता परम आत्मा यानी सुप्रीम।* बच्चे जानते हैं हम आत्माओं का वह बाप है, हम सब ब्रदर्स हैं।

उत्तर 12- *D.सतोप्रधान*

स्कूल में भी कोई स्टूडेन्ट की बुद्धि में अच्छी रीति बैठता है, कोई की बुद्धि में कम बैठता है। *यहाँ भी जो नापास होते हैं उनको क्षत्रिय कहा जाता है। चन्द्रवंशी में चले जाते हैं। दो कला कम हो गई ना। सतोप्रधान सतो रजो तमो है ना।*

उत्तर 13- A. *40-50*

रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों से रूहरिहान करते हैं, *तुम बच्चे जानते हो बाप हमको अभी 21 जन्म तो क्या

40-50 जन्मों लिए इनश्योर कर रहे हैं।* अब यह रूहरिहान बाप अपने बच्चों से करते हैं और कोई से नहीं करते। जो रूह अपने को जानती है उनसे ही बात करते हैं। बाकी और कोई बाप की भाषा को समझेंगे नहीं।

उत्तर 14- *B.कि वो मर जाएं तो उनके परिवार को पैसा मिले*

वो लोग इनश्योर करते हैं कि मर जाएं तो उनके परिवार को पैसा मिले। तुम इनश्योर करते हो 21 जन्मों के लिए मरें ही नहीं। अमर बनाते हैं ना। तुम अमर थे, मूलवतन भी अमरलोक है। वहाँ मरने जीने की बात नहीं रहती। वो है आत्माओं का निवास स्थान।

उत्तर 15- *C.तुम कभी मरेंगे नहीं*

अमरपुरी में राज्य करना - उसको ही अमर पद कहा जाता है। वहाँ इनश्योर कम्पनियाँ आदि होती नहीं। अभी तुम्हारी लाइफ इनश्योर कर रहे हैं। *तुम कभी मरेंगे नहीं।

यह बुद्धि में खुशी रहनी चाहिए।* हम अमरपुरी के मालिक बनते हैं, तो अमरपुरी को याद करना पड़े।

उत्तर 16- *A.आराम हराम है*

जो बच्चे रूहानी सर्विस पर तत्पर रहते हैं, जो योग में रहकर सर्विस करते हैं, वही सतयुगी राजधानी स्थापन करने में मददगार बनते हैं। *सर्विसएबुल बच्चों को बाप का डायरेक्शन है - आराम हराम है।* जो बहुत सर्विस करते हैं वह जरूर राजा-रानी बनेंगे।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (72) खण्ड - {144}

प्रश्न 1- किस को चैतन्य में इन आंखों से देख नहीं सकते ?

A- ब्रह्मा-विष्णु-शंकर

B- श्रीकृष्ण को

C- देवताओं को

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- सेवाधारी बच्चों को कौन सा वरदान प्राप्त हो जाता है ?

A- विश्व कल्याण का

B- आधारमूर्त बनने का

C- कम्बाइण्ड रहने का

D- विजयी रत्न का

प्रश्न 3- माया नाक से पकड़ लेती है, अर्थात् -

A- देह में फँसा देती है।

B- बाप को याद करने नहीं देती।

C- बच्चों को भी विकारों में गिरा देती।

D- बाप से बेमुख कर देती है।

प्रश्न 4- परमात्मा के बारे में कौन सा कथन सत्य है -

A- त्रिकालदर्शी,

B- त्रिमूर्ति,

C- त्रिनेत्री,

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- माया का डायरेक्शन है -

A- शिवबाबा का ज्ञान मत सुनो

B- हियर नो ईविल.

C- विकार में जाओ

D- शिव बाबा को याद मत करो

प्रश्न 6- बाबा ने कहा है मेरे को याद करो तो गैरन्टी है -

A- तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे।

B- तुम सतोप्रधान बनेंगे।

C- पावन बनेंगे।

D- सदा साथ का अनुभव होगा।

प्रश्न 7- अगर तुम पुण्य आत्मा बन ऊंच पद पाना चाहते हो तो उसमें है ..... फर्स्ट।

A- पवित्रता

B- पढ़ाई

C- याद

D- मन्सा सेवा

प्रश्न 8- तुम्हारे पर कितने जन्मों के पाप हैं ?

A- 42

B- 63

C- 83

D- 8

प्रश्न 9- अपना और दूसरों का कल्याण कैसे करना है ?

A- याद से

B- ज्ञान और योग में तीखा बन

C- हॉस्पिटल खोल के

D- सभी को मुक्ति जीवन मुक्ति का रास्ता दिखा कर

प्रश्न 10- तुम्हारा मुख्य चित्र है ही -

A- त्रिमूर्ति,

B- गोला,

C- झाड़,

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- तुम बच्चों में भी जिनको ऊंच मर्तबा लेना है वह -

A- जास्ती याद में रहने का पुरूषार्थ करते हैं।

B- समाचार भी लिखते हैं कि बाबा हम इतना समय याद मैं रहता हूँ।

C- भारतवासी ही होगें

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 12- साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। साधना क्यों की जाती है ?

A- भगवान से मिलने के लिए

B- मुक्ति में जाने के लिए

C- मोक्ष प्राप्ति के लिये

D- शांति के लिए

प्रश्न 13- रात के राही थक मत जाना....., इस गीत में राही किसके लिए आया है ?

A- जीव आत्मा

B- यात्री, मुसाफिर

C- आत्मा

D- मेहमान

प्रश्न 14- मम्मा के लिए अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- सरस्वती

B- लक्ष्मी

C- प्रजापिता ब्रह्मा की बेटी

D- एडाप्टेड

प्रश्न 15- बाप बच्चों को पहला मैनर्स क्या सिखलाते हैं ?

A- किसी से भी रूठो नहीं

B- मैं आत्मा हूँ,

C- तुम किसका रिगार्ड कैसे रखो

D- सच बोलो

प्रश्न 16- हनुमान का मिसाल है ?

A- त्रेतायुग का

B- संगमयुग का

C- रामायण का

D- द्वापर कलयुग का

भाग (72) खण्ड {144} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.ब्रह्मा-विष्णु-शंकर*

ऊंच ते ऊंच है शिव। अच्छा, फिर सूक्ष्मवतन में हैं ब्रह्मा-विष्णु-शंकर। उन्हों का साक्षात्कार भी होता है क्योंकि पवित्र हैं ना। *उन्हों को चैतन्य में इन आंखों से देख नहीं सकते।* बहुत नौधा भक्ति से देख सकते हैं।

उत्तर 2- *B.आधारमूर्त बनने का*

सेवा में बिजी होने के कारण अपने पुरूषार्थ के व्यर्थ से और औरों के भी व्यर्थ से बचे रहते हैं। उनके सामने बेहद विश्व की आत्मायें सदा इमर्ज रहती हैं। उन्हें जरा भी अलबेलापन आ नहीं सकता। *ऐसे सेवाधारी बच्चों को आधारमूर्त बनने का वरदान प्राप्त हो जाता है।*

उत्तर 3- *A.देह में फँसा देती है*

कितना समझाया जाता है कि देह के साथ प्रीत मत रखो, नाम-रूप में मत फँसो। *परन्तु माया भी तमोप्रधान ऐसी है, देह में फँसा देती है। एकदम नाक से पकड़ लेती

है।* पता नहीं पड़ता है। बाप कितना समझाते हैं - श्रीमत पर चलो, परन्तु चलते नहीं। रावण की मत झट बुद्धि में आ जाती है। रावण जेल से छोड़ता नहीं।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

भक्ति मार्ग में विष्णु को चक्रधारी बना दिया है। *हम कहते हैं परमात्मा त्रिकालदर्शी, त्रिमूर्ति, त्रिनेत्री है।* वह हमको स्वदर्शन चक्रधारी बनाते हैं। वह भी जरूर मनुष्य तन में आकर सुनायेंगे। रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान जरूर रचता ही सुनायेंगे ना। रचता का ही किसको पता नहीं है तो रचना का ज्ञान कहाँ से मिले।

उत्तर 5- *A.शिवबाबा का ज्ञान मत सुनो*

बाप का डायरेक्शन है - हियर नो ईविल..... माया फिर कहती है हियर नो बाबा की बातें। *माया का डायरेक्शन है शिवबाबा का ज्ञान मत सुनो।* ऐसा जोर से माया चमाट मारती है जो बुद्धि में ठहरता नहीं। बाप को

याद कर ही नहीं सकते। मित्र सम्बन्धी, देहधारी याद आ जाते हैं।

उत्तर 6- *A.तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे*

अपने को देखना है हमारा योग कितना लगता है! बाप के साथ जितना योग अच्छा लगेगा उतना विकर्म विनाश होंगे। *बाबा ने कहा है मेरे को याद करो तो गैरन्टी है तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे।* अपनी दिल अन्दर हर एक देखे हमारा बाप के साथ कितना योग रहता है?

उत्तर 7- *A.पवित्रता*

आत्मा को अपना कल्याण करना है। *बाप डायरेक्शन देते हैं, अगर तुम पुण्य आत्मा बन ऊंच पद पाना चाहते हो तो उसमें पवित्रता है फर्स्ट।* आये भी पवित्र फिर जाना भी पवित्र बनकर है, पतित कभी ऊंच पद पा न सकें। सदैव अपनी दिल से पूछना चाहिए - हम कितना बाप को याद करते हैं, हम क्या करते हैं?

उत्तर 8- *B. 63*

बाप ने समझाया है तुम्हारे पर 63 जन्मों के पाप हैं। पाप करते-करते सतोप्रधान से तमोप्रधान बन पड़े हो। अब मेरा बनकर फिर कोई पाप कर्म नहीं करो। झूठ, शैतानी, घर फिटाना, सुनी सुनाई बातों पर विश्वास करना - यह धूतीपना बड़ा नुकसानकारक है। बाप से योग ही तुड़ा देता है, तो कितना पाप हो गया।

उत्तर 9- *B.ज्ञान और योग में तीखा बन*

ज्ञान और योग में तीखा बन अपना और दूसरों का कल्याण करना है। अपनी ऊंच तकदीर बनाने का पुरूषार्थ करना है। अन्धों की लाठी बनना है।

उत्तर 10- *D.उपरोक्त सभी*

अभी तुम बाप की पहचान सबको देते जाते हो। ढेरों को बाप की पहचान मिलेगी। *तुम्हारा मुख्य चित्र है ही

यह त्रिमूर्ति, गोला, झाड़।* इनमें कितनी रोशनी है। यह तो कोई भी कहेंगे यह लक्ष्मी-नारायण सतयुग के मालिक थे। अच्छा, सतयुग के आगे क्या था? यह भी अभी तुम जानते हो।

उत्तर 11- *D. A और B*

तुम बच्चों में भी जिनको ऊंच मर्तबा लेना है वह जास्ती याद में रहने का पुरूषार्थ करते हैं और समाचार भी लिखते हैं कि बाबा हम इतना समय याद में रहता हूँ। कई तो पूरा समाचार लज्जा के मारे देते नहीं। समझते हैं बाबा क्या कहेंगे। परन्तु मालूम तो पड़ता है ना।

उत्तर 12- *A.भगवान से मिलने के लिए*

यह तो समझते हैं हम पतित हैं, साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। *साधना की जाती है भगवान से मिलने की।* सो जब तक उनका परिचय न हो तब तक तो मिल नहीं सकते। तुम जानते हो बाप का

परिचय दुनिया में कोई को भी नहीं है। देह का परिचय तो सबको है। बड़ी चीज़ का परिचय झट हो जाता है। आत्मा का परिचय तो जब बाप आये तब समझाये।

उत्तर 13- *C.आत्मा*

बाप की याद में रहते-रहते पिछाड़ी को चले जाना है घर। *गीत भी है ना - रात के राही थक मत जाना..... आत्मा को घर जाना है। आत्मा ही राही है।* आत्मा को रोज़ समझाया जाता है अब तुम शान्तिधाम जाने के राही हो। तो अब बाप को, घर को और वर्से को याद करते रहो।

उत्तर 14- *A.सरस्वती*

मम्मा भी सर्विस पर है, उनको मुकरर किया था। यह *कोई शास्त्रों में है नहीं कि सरस्वती कौन है?* प्रजापिता ब्रह्मा की सिर्फ एक बेटी होगी क्या? अनेक बेटियाँ अनेक नाम वाली होंगी ना। वह फिर भी एडाप्ट थी। जैसे तुम हो।

उत्तर 15- *C.तुम किसका रिगार्ड कैसे रखो*

बाप बच्चों को पहला मैनर्स यही सिखलाते हैं कि तुम किसका रिगार्ड कैसे रखो! अनपढ़े जो होते हैं उनको रिगार्ड रखना भी नहीं आता है। जो जास्ती तीखे हैं तो उनका सबको रिगार्ड रखना ही है। बड़ों का रिगार्ड रखने से वह भी सीख जायेंगे।

उत्तर 16- *B.संगमयुग*

मन्दिरों में भी जाकर समझाओ। गुप्त वेष में जा सकते हो। *हनूमान का मिसाल संगमयुग का ही है।* हो तो वास्तव में तुम ना। जुत्तियों में बैठने की बात नहीं है। इसमें बड़ा समझू सयाना चाहिए।